**भारत सरकार**
**आयुष मंत्रालय**

लोक सभा
**अतारांकित प्रश्न सं. 2548**
**04 अगस्त, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर**

**पारंपरिक दवाओं संबंधी सम्मेलन**

2548. श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:
श्री शंकर लालवानी:
डॉ. भारतीबेन डी. श्याल:
श्री प्रतापराव जाधव:
डॉ. सुकान्त मजूमदार:
श्री भोला सिंह:
श्री सुधीर गुप्ता:
श्री बिद्युत बरन महतो:
श्री राजा अमरेश्वर नाईक:
श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:
श्री विनोद कुमार सोनकर:
श्री राजवीर सिंह (राजू भैय्या):
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारत ने 20 जुलाई को नई दिल्ली में पारंपरिक दवाओं पर दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) के सम्मेलन की मेजबानी की थी और यदि हां, तो इसके लक्ष्य और उद्देश्यों तथा इसमें भाग लेने वाले देशों की संख्या दर्शाते हुए तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार का आसियान सदस्यों के साथ आपसी सहयोग/सहभागिता से देश में कार्यान्वित विभिन्न परियोजनाओं के अनुसंधान परिणामों को साझा करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या कदम उठाए गए/उठाए जाने प्रस्तावित हैं;
(ग) क्या मंत्रालय ने आयुष उत्पादों और सेवाओं के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए आयुष में सुदृढ़ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग स्थापित किया है और पारंपरिक दवाओं के क्षेत्र में सहयोग के सम्बन्ध में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस सम्बन्ध में अन्य क्या कदम उठाए जा रहे हैं; और
(घ) क्या सरकार ने मधुमेह, कैंसर, मानसिक स्वास्थ्य जैसी विभिन्न बीमारियों के संबंध में आयुष प्रणाली में उच्च गुणवत्तापरक अनुसंधान के लिए अन्य देशों के साथ भी कार्य/सहयोग किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): जी हां, भारत ने विदेश मंत्रालय, आसियान के भारतीय मिशन तथा आसियान सचिवालय के सक्रिय सहयोग से 20 जुलाई को नई दिल्ली में "भारत तथा आसियान देशों में कोविड-19 के शमन में पारंपरिक औषधि की भूमिका" के विषय पर भारत तथा आसियान (दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन) के बीच पांरपरिक चिकित्सा पर सम्मेलन का आयोजन किया है। इस कार्यक्रम में माननीय केंद्रीय मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल, आयुष और पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार और माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, डॉ. मुंजपरा महेन्द्रभाई कालूभाई, आयुष तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार की उपस्थिति रही तथा आसियान के महासचिव एच.ई. डॉ. काओ किम होर्न ने अपने वीडियो संदेश के साथ सम्मेलन को संबोधित किया।

भारत-आसियान एकीकरण में तीनों सी अर्थात कनेक्टिविटी, वाणिज्य और संस्कृति कार्यक्षेत्र के मुख्य केंद्र बिंदु हैं। तथा पारंपरिक चिकित्सा क्षेत्र में इन तीनों सी को पूरा करने की संभावना है। सम्मेलन का आयोजन कोविड-19 के प्रसार को रोकने की गतिविधियों तथा अनुभवों को साझा करना तथा आसियान देशों में प्रयोग की जा रही आयुर्वेद तथा अन्य पारंपरिक चिकित्सा पद्धति के क्षेत्र में संभव सहयोग पर विचार-विमर्श करना था। इसमें कुल 101 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें से 17 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि थे (आठ आसियान देशों के 15 प्रतिनिधि और 02 वियतनाम दूतावास, नई दिल्ली से थे) और 84 भारतीय प्रतिनिधि थे।

(ख): सम्मेलन के दौरान, ज्ञान, व्यवहारों तथा अनुसंधान परिणामों का आदान-प्रदान करते हुए दो तकनीकी सत्रों में कुल 18 प्रस्तुतियां दी गईं।

i. सतत विकास लक्ष्य 3 अर्थात स्वास्थ्य और कल्याण प्राप्त करने के लिए आयुर्वेद और अन्य पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की भूमिका
ii. आसियान सदस्य देशों में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को आगे बढ़ाने के तौर-तरीकों पर चर्चा।

(ग): जी हां, आयुष मंत्रालय ने आयुष में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक केंद्रीय क्षेत्र योजना (आईसी योजना) विकसित की है। इस योजना के तहत, आयुष मंत्रालय, आयुष उत्पादों और सेवाओं के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए भारतीय आयुष निर्माताओं/आयुष सेवा प्रदाताओं को सहायता प्रदान करता है; आयुष चिकित्सा पद्धति को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने, उसके विकास और मान्यकरण के लिए मदद देता है; हितधारकों के बीच बातचीत और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयुष के बाजार विकास को बढ़ावा देता है; विदेशों में आयुष अकादमिक पीठों की स्थापना कर के शिक्षाविदों और अनुसंधान को बढ़ावा देता है तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयुष चिकित्सा पद्धतियों के बारे में जागरूकता और रुचि बढ़ाने और उसे मजबूत करने के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाएं/संगोष्ठियां आयोजित करता है। इसके अतिरिक्त, निम्नलिखित समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए:

- बाहरी देशों के साथ पारंपरिक चिकित्सा और होम्योपैथी के क्षेत्र में सहयोग के लिए 24 देश-दर-देश समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।
- सहयोगात्मक अनुसंधान/शैक्षणिक सहयोग के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ 46 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।
- विदेशों में आयुष शैक्षणिक पीठों की स्थापना के लिए अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ 15 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

(घ): जी हां, आयुष मंत्रालय अनुसंधान सहयोग के लिए निम्नलिखित अंतरराष्ट्रीय संस्थानों/संगठनों के साथ जुड़ा हुआ है:

- केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, (सीसीआरएएस), आयुष मंत्रालय, भारत गणराज्य और कैंसर अनुपूरक तथा वैकल्पिक चिकित्सा कार्यालय (ओसीसीएएम), राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, एनआईएच, स्वास्थ्य विभाग एवं मानव सेवा, संयुक्त राज्य अमेरिका सरकार के बीच आशय पत्र ।
- आयुर्वेद में अनुसंधान और शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग पर केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार और न्यूरोलॉजी और पूरक चिकित्सा विभाग, लूथरन हॉस्पिटल, हेटिंगन के बीच समझौता ज्ञापन।
- सीसीआरएएस और इंस्टीट्यूट फॉर सोशल मेडिसिन, एपिडेमियोलॉजी एंड हेल्थ इकोनॉमिक्स, शैरिट यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर, बर्लिन जर्मनी के बीच समझौता ज्ञापन।

*****